

छिरिआना अ.क्रि. (देश.) छिटकना उदा. उपसल
केस कुसुम छिरिआयल -विद्यापति।

छिलक पुं. (देश.) तिलक नामक वृक्ष।

छिलकना अ.क्रि. (देश.) छिड़कना।

छिलका पुं. (तद्.) वह आवरण जिसके अन्तर्गत
फल का सार भाग रहता है, फल की त्वचा जैसे-
केले या सेब का छिलका।

छिलन स्त्री. (देश.) 1. छिलने या छीलने की क्रिया
या भाव 2. शरीर के किसी अंग की त्वचा रगड़
आदि के कारण छिल जाने से होने वाला घाव।

छिलना अ.क्रि. (देश.) 1. फलों आदि का छिलका
उतारा जाना 2. वृक्ष आदि की छाल उतारी जाना
3. पशु आदि की खाल मांसल भाग पर से उतारी
जाना 4. शरीर के किसी अंग में रगड़ लगने से
त्वचा का उतर जाना।

छिलवाना स.क्रि. (देश.) छिलना का प्रे. रूप, छीलने
का काम दूसरे से कराना।

छिलाई स्त्री. (देश.) छिलने या छीलने की क्रिया
या भाव, छीलने की मजदूरी।

छिलाना स.क्रि. (देश.) छीलने का काम दूसरे से
कराना।

छिल्लड़ पुं. (देश.) छिलका।

छींक स्त्री. (तद्.) 1. शरीर का एक प्राकृतिक
व्यापार जिसमें श्वास की वायु अकस्मात् नाक
और गले से एक साथ ही एक विशिष्ट प्रकार का
शब्द करती हुई निकलती है 2. उक्त शारीरिक
व्यापार से होने वाला शब्द।

छींकना अ.क्रि. (देश.) सहसा जोर से नाक और मुँह
से इस प्रकार साँस फेंकना कि जोर का शब्द हो।

छींका पुं. (तद्.) 1. दीवार की खूँटी अथवा छत की
कड़ी में टाँगा या लटकाया जाने वाला तारों या
रस्सियों का वह उपकरण जिसमें खाने, पीने
आदि की रखी हुई वस्तुएँ चूहों, बिल्लियों, बच्चों
आदि से सुरक्षित रहती हैं मुहा. बिल्ली के भाग्य
से छींका टूटना- संयोग से कोई अभीष्ट या

वांछित घटना घटित होना 2. बैलों के मुँह पर
बाँधी जाने वाली रस्सियों की जाली 3. झूला।

छींट स्त्री. (तद्.) 1. पानी अथवा किसी द्रव पदार्थ
का किसी तल से टकराने पर उड़ने वाला छोटा
जल-कण या बूँद 2. किसी वस्तु, वस्त्र, शरीर
आदि पर उक्त जल-कण या बूँद पड़ने से होने
वाला दाग या धब्बा 3. एक प्रकार का वह कपड़ा
जिस पर छापकर बेल-बूटे या फूल पत्तियाँ बनाई
गई हों 4. चित्र कला में, चित्रों में बनाए जाने
वाले बेल-बूटे या फूल-पत्तियाँ।

छीटना स.क्रि. (देश.) छितरना।

छींटा पुं. (देश.) 1. झटके से उछली या उछाली हुई
जल अथवा द्रव पदार्थ की बूँदें जैसे- मुँह पर
पानी का छींटा देना, कीचड़ में पत्थर फेंकने से
छींटे उड़ना 2. उक्त बूँदों के वस्त्र आदि पर पड़ने
से होने वाला धब्बा 3. हलकी वृष्टि 4. मुट्ठी में
बीज भरकर एक बार में खेत में बिखेरने की
प्रक्रिया 5. बोआई का वह ढंग जिसमें बीज खेत
में छींटे जाते हैं 6. चंडू या मदक की एक मात्रा,
दम 7. किसी का खिन्न या लज्जित करने के
लिए कही जाने वाली चुभती हुई व्यंगपूर्ण बात।

छी अव्य. (अनु.) घृणा, तिरस्कार, धिक्कार, आदि
का सूचक एक अव्यय मुहा. छी-छी करना- घृणा
करना स्त्री. छिया, मल।

छीअना स.क्रि. (देश.) छूना।

छीआ स्त्री. (देश.) छिया।

छीआ-बीआ वि. (अनु.) छिन्न-भिन्न।

छीका पुं. (देश.) छींका।

छीछ वि. (देश.) क्षीण, दुर्बल उदा. लाज की
आंचनि या चित राचन नाच नचाई हों नेह न
छीछें -देव।

छीछड़ा पुं. (देश.) 1. कटे हुए मांस का रद्दी टुकड़ा
2. पशुओं की अँतड़ी का वह भाग जिसमें मल
भरा होता है।

छीछना क्रि. (देश.) क्षीण होना।

छीछला वि. (देश.) छिछला।